**International Journal of Engineering Technology and Applied Science**
**(ISSN: 2395 3853) Vol. 9 Issue 3 March 2023**

# संयुक्त परिवार एवं एकल परिवार की किशोरियों के मध्य व्यवसायिक चयन सम्बन्धी तनाव की स्थिति पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन (फैजाबाद शहर के संदर्भ में)

**आराधना श्रीवास्तव[1] एवं डॉ. मीनाक्षी सक्सेना[2]**

1. शोधार्थी, गृह विज्ञान, सरोजिनी नायडू शासकीय कन्या स्नातकोत्तर (स्वशासी) महाविद्यालय, भोपाल (म.प्र.)
2. प्राध्यापक, गृह विज्ञान विभाग, शासकीय श्यामा प्रसाद मुखर्जी विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय, भोपाल(म.प्र.)

## सारांश

संयुक्त परिवार एवं एकल परिवार की किशोरियों के मध्य व्यवसायिक चयन सम्बन्धी तनाव की स्थिति पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन किया गया है। जिसमें शोधार्थी को ज्ञात हुआ कि विद्यालयों में अध्ययनरत छात्राओं में व्यवसाय चयन को लेकर अधिक तनाव होता है। शोध अध्ययन के न्यादर्श के रुप में फैजाबाद जनपद के 16 से 21 वर्ष के कुल 300 किशोरियों का यादृच्छिक रूप से चयन किया गया है आंकड़ों के संग्रहण हेतु मानकीकृत उपकरणो का उपयोग किया गया है संयुक्त परिवार एवं एकल परिवार के ग्रामीण किशोरियों के मध्य व्यवसाय के चयन के कारण उत्पन्न तनाव से व्यवसायिक आकांक्षा में सार्थक अन्तर पाया गया। जबकि संयुक्त परिवार एवं एकल परिवार के शहरी किशोरियों के मध्य व्यवसाय के चयन के कारण उत्पन्न तनाव से व्यवसायिक आकांक्षा में सार्थक अन्तर नहीं पाया गया।

**प्रमुख शब्द –** संयुक्त, एकल परिवार, ग्रामीण, शहरी किशोरियाँ, व्यवसायिक चयन

## प्रस्तावना

किशोरावस्था मनुष्य के जीवन का बसंतकाल माना गया है। यह काल बारह से उन्नीस वर्ष तक रहता है, परंतु किसी किसी व्यक्ति में यह बाईस वर्ष तक चला जाता है। जीवन में उचित व्यवसाय के चयन द्वारा सुख शान्ति की स्थापना के लिए इसे रोजगारोन्मुखी बनाना अनिवार्य होता है, इसके लिए व्यावसायिक शिक्षा पर जोर दिया जाता रहा है। शहरी किशोरियों के साथ साथ ग्रामीण किशोरियों को भी व्यवसायिक शिक्षा प्रदान कर उन्हे आत्मनिर्भर बनाना देश के विकास के दृष्टिकोण से अनिवार्य होता है। प्रस्तुत अध्ययन संयुक्त परिवार एवं एकल परिवार की ग्रामीण एवं शहरी किशोरियों के मध्य व्यवसायिक चयन के कारण उत्पन्न तनाव की स्थिति पर पड़ने वाले प्रभाव को समझने के लिए किया गया है।

## सम्बंधित साहित्य का पुनरावलोकन

**ओरहान कोसक एवं अन्य (2021)** पारिवारिक प्रभाव की भूमिका और कैरियर निर्णय लेने की आत्म–प्रभावकारिता और खुशी पर अकादमिक संतुष्टि पर अध्ययन में पाया कि करियर जीवन की एक वास्तविकता है जिसे आज के आधुनिक समाज में बहुआयामी मानने की

आवश्यकता है। करियर चुनना एक जटिल प्रक्रिया है जो हाई स्कूल और विश्वविद्यालय की उम्र के साथ मेल खाती है, जिससे मनो–सामाजिक तनाव पैदा होता है।

**ली झाओ और वेनलोंग झाओ (2022)** वर्तमान अध्ययन किशोरों की शैक्षणिक उपलब्धि पर पारिवारिक वातावरण के प्रभाव तंत्र की पड़ताल करने के लिए दो–तरंग अनुदैर्ध्य सर्वेक्षण का उपयोग करता है। परिवार के वातावरण और शैक्षणिक उपलब्धि के बीच किशोरों के सकारात्मक या नकारात्मक साथियों के मध्यस्थ प्रभाव को प्रकट करने के लिए पारिवारिक वातावरण, माता–पिता–बच्चे की बातचीत और परिवार के नियमों सहित माता–पिता और बच्चों की रिपोर्ट द्वारा पारिवारिक वातावरण को मापा जाता है, और क्या स्वयं के बीच की खाई – और माता–पिता की शैक्षिक अपेक्षा एक मध्यम प्रभाव डालती है।

## न्यादर्श का चयन

शोध अध्ययन के न्यादर्श के रुप में फैजाबाद जनपद के 16 से 21 वर्ष के कुल 300 किशोरियों का चयन किया गया है जिसमें संयुक्त परिवार की 75 नगरीय और 75 ग्रामीण कुल 150 किशोरियों तथा एकल परिवार की 75 नगरीय और 75 ग्रामीण कुल 150 किशोरियों को फैजाबाद जनपद के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र से चयन किया गया है।

## शोध के उद्देश्य

- संयुक्त परिवार एवं एकल परिवार के ग्रामीण किशोरियों के मध्य व्यवसाय के चयन के कारण उत्पन्न तनाव से व्यवसायिक आकांक्षा पर प्रभाव का अध्ययन करना।
- संयुक्त परिवार एवं एकल परिवार के शहरी किशोरियों के मध्य व्यवसाय के चयन के कारण उत्पन्न तनाव से व्यवसायिक आकांक्षा पर प्रभाव का अध्ययन करना।

## शोध की परिकल्पनाएं

$H_{01}$. संयुक्त परिवार एवं एकल परिवार के ग्रामीण किशोरियों के मध्य व्यवसाय के चयन के कारण उत्पन्न तनाव से व्यवसायिक आकांक्षा में सार्थक अन्तर नहीं है।

$H_{02}$. संयुक्त परिवार एवं एकल परिवार के शहरी किशोरियों के मध्य व्यवसाय के चयन के कारण उत्पन्न तनाव से व्यवसायिक आकांक्षा में सार्थक अन्तर नहीं है।

## शोध प्रविधि

वर्तमान अध्ययन उत्तरप्रदेश के फैजाबाद जिले में किया गया शोध के लिए अध्ययन क्षेत्र से 300 किशोरियों को शोध के उद्देश्य के लिए यादृच्छिक रूप चुना गया। आंकडों को उपरोक्त चयनित उत्तरदाताओं से डॉ. विजया लक्ष्मी व डॉ. श्रुति नारायण द्वारा विकसित मानकीकृत उपकरण तथा डॉ. सविता आनन्द द्वारा निर्मित उपकरण की सहायता से एकत्र किया गया।

**तालिका 1 : संयुक्त परिवार एवं एकल परिवार के ग्रामीण किशोरियों के व्यवसायिक आकांक्षा का मध्यमान, प्रमाप विचलन एवं टी–मान**

| चर / समूह | संख्या | मध्यमान | प्रमाप विचलन | टी– सारणीमान | परिकलित टी–मान | सार्थकता 0.05 स्तर |
|---|---|---|---|---|---|---|
| संयुक्त परिवार के ग्रामीण किशोरियां | 75 | 118.01 | 10.566 | 1.98 | 2.179 | सार्थक (S) |
| एकल परिवार के ग्रामीण किशोरियां | 75 | 113.96 | 12.164 | | | |

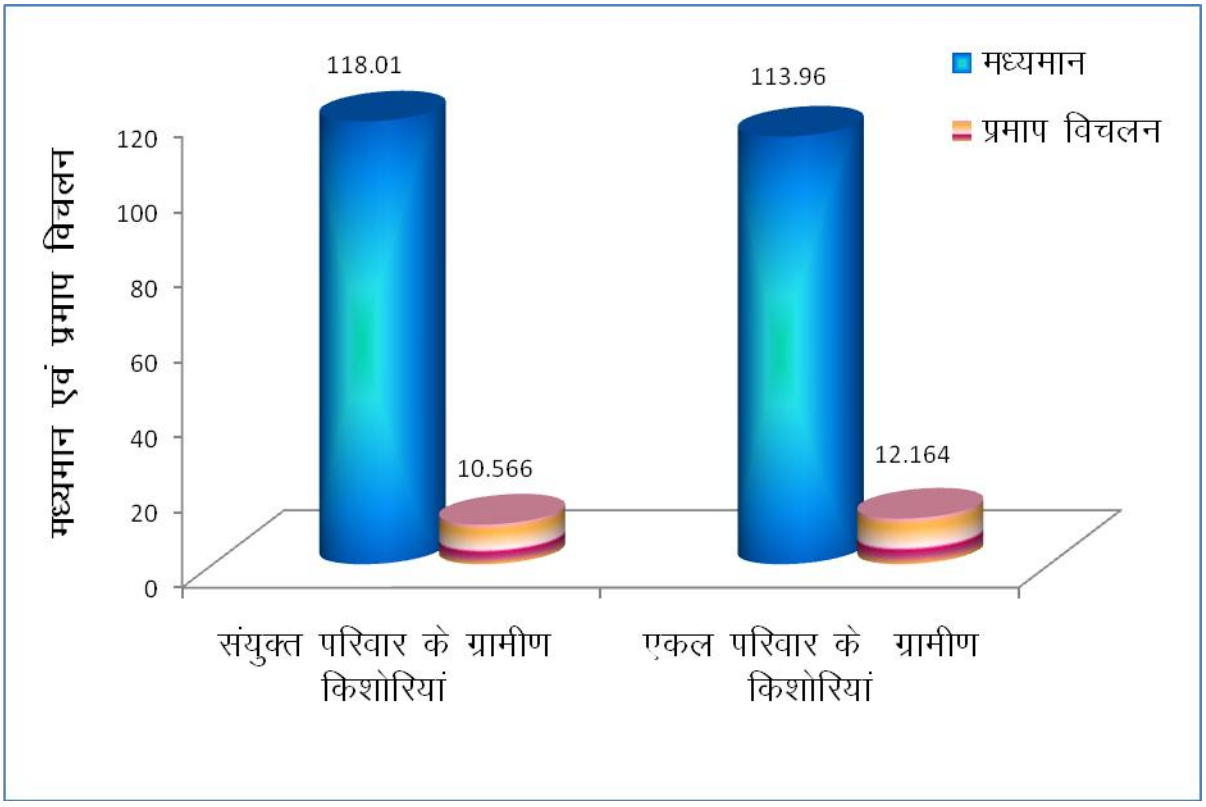


**विश्लेषण** – उपर्युक्त तालिका में संयुक्त परिवार एवं एकल परिवार के ग्रामीण किशोरियों के मध्य व्यवसाय के चयन के कारण उत्पन्न तनाव से व्यवसायिक आकांक्षा का मध्यमान क्रमशः 118.01 एवं 113.96 दर्शाये गये हैं। इनके आधार पर गणना द्वारा टी मान (Calculated 't' value) 2.179 प्राप्त हुआ है। 148 (df) स्वतंत्रता के अंश पर .05 सार्थकता स्तर का मान क्रमशः 1.98 सारणी में दिया गया है। गणना द्वारा प्राप्त टी मान सारणी में दिए गए मान से अधिक है। अतः निर्धारित शून्य परिकल्पना ''संयुक्त परिवार एवं एकल परिवार के ग्रामीण किशोरियों के मध्य व्यवसाय के चयन के कारण उत्पन्न तनाव से व्यवसायिक आकांक्षा में सार्थक अन्तर नहीं है।'' अस्वीकृत की गई। इस आधार पर कहा

जा सकता है कि संयुक्त परिवार एवं एकल परिवार के ग्रामीण किशोरियों के मध्य व्यवसाय के चयन के कारण उत्पन्न तनाव से व्यवसायिक आकांक्षा में सार्थक अन्तर पाया गया।

**परिकल्पना क्र. 2**

$H_{02}$. संयुक्त परिवार एवं एकल परिवार के शहरी किशोरियों के मध्य व्यवसाय के चयन के कारण उत्पन्न तनाव से व्यवसायिक आकांक्षा में सार्थक अन्तर नहीं है।

**तालिका 2 : संयुक्त परिवार एवं एकल परिवार के शहरी किशोरियों के व्यवसायिक आकांक्षा का मध्यमान, प्रमाप विचलन एवं टी–मान**

| चर / समूह | संख्या | मध्यमान | प्रमाप विचलन | टी– सारणीमान | परिकलित टी–मान | सार्थकता 0.05 स्तर |
|---|---|---|---|---|---|---|
| संयुक्त परिवार के शहरी किशोरियां | 75 | 117.20 | 11.134 | 1.98 | 0.531 | असार्थक (NS) |
| एकल परिवार के शहरी किशोरियां | 75 | 116.16 | 12.800 | | | |

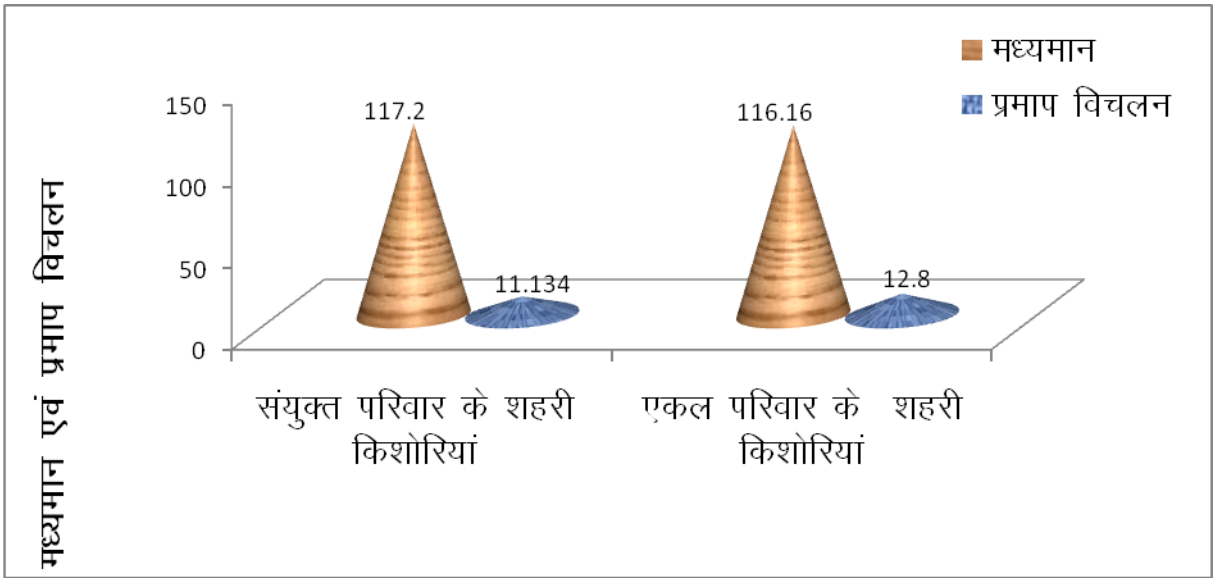


**विश्लेषण** – उपर्युक्त तालिका में संयुक्त परिवार एवं एकल परिवार के शहरी किशोरियों के मध्य व्यवसाय के चयन के कारण उत्पन्न तनाव से व्यवसायिक आकांक्षा का मध्यमान क्रमशः 117.20 एवं 116.16 दर्शाये गये हैं। इनके आधार पर गणना द्वारा टी मान (Calculated 't' value) 0.531 प्राप्त हुआ है। 148 (df) स्वतंत्रता के अंश पर .05 सार्थकता स्तर का मान क्रमशः 1.98 सारणी में दिया गया है। गणना द्वारा प्राप्त टी मान सारणी में दिए गए मान से कम है। अतः निर्धारित शून्य परिकल्पना ''संयुक्त परिवार एवं एकल परिवार के शहरी किशोरियों के मध्य व्यवसाय के चयन के कारण उत्पन्न तनाव से

व्यवसायिक आकांक्षा में सार्थक अन्तर नहीं है।'' स्वीकृत की गई। इस आधार पर कहा जा सकता है कि संयुक्त परिवार एवं एकल परिवार के शहरी किशोरियों के मध्य व्यवसाय के चयन के कारण उत्पन्न तनाव से व्यवसायिक आकांक्षा में सार्थक अन्तर नहीं पाया गया।

**निष्कर्ष :**

उपरोक्त तथ्यों से निष्कर्ष निकलता है कि

- संयुक्त परिवार एवं एकल परिवार के ग्रामीण किशोरियों के मध्य व्यवसाय के चयन के कारण उत्पन्न तनाव से व्यवसायिक आकांक्षा में सार्थक अन्तर पाया गया है।
- संयुक्त परिवार एवं एकल परिवार के शहरी किशोरियों के मध्य व्यवसाय के चयन के कारण उत्पन्न तनाव से व्यवसायिक आकांक्षा में सार्थक अन्तर नहीं पाया गया है।

## संदर्भ ग्रंथ सूची

Lie Zhao and Wenlong Zhao (2022) Impacts of family environment on adolescents' academic achievement : The role of peer interaction quality and educational expectation gap, Frontiers in Psychology, frontiersin.org, pp.1-17 DOI 10.3389/fpsyg.2022.911959

Orhan Koçak, Namık Ak, Sezer Seçkin Erdem, Mehmet Sinan, Mustafa Z. Younis and Abdullah Erdoğan (2021) The Role of Family Influence and Academic Satisfaction on Career Decision-Making Self-Efficacy and Happiness. *Int. J. Environ. Res. Public Health*, *18*(11), pp. 1-19, https://doi.org/10.3390/ijerph 18115919

कपिल, एच.के., अनुसंधान विधियाँ, आगरा : भार्गव भवन।

गुप्ता, एस0पी0 तथा गुप्ता, अल्का (2007) सांख्यिकीय विधियाँ, इलाहाबाद : शारदा पुस्तक भवन।

गुप्ता, जी0 आर0 तथा मूर्ती, वी0एन0 (1984) अ स्टडी ऑफ आकुपेशनल स्ट्रेश एमंग वर्किंग वूमन इन रिलेशन टू पर्सनालिटी पैटर्न एण्ड सर्टेन डोमोग्राफिक वैरिएबल, पी–एच0डी0 थीसिस, पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर।

बुच, एम0बी0, (1983–88) फोर्थ सर्वे ऑफ एजूकेशनल रिसर्च, वाल्यूम–प्रथम, नई दिल्ली : एन.सी.ई.आर.टी.।

दास, बी0एन0 (2003) टीचर एण्ड एजुकेशन इन द इमर्जिंग इण्डियन सोसाइटी, हैदराबाद : नीलकमल पब्लिकेशन प्रा0लि0।